1. हम, ब्राजील संघीय गणराज्य, रूसी परिसंघ, भारत गणराज्य, चीन लोकवादी गणराज्य और दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के नेताओं की शियामेन, चीन में 4 सितम्बर, 2017 को नौवें ब्रिक्स शिखर-सम्मेलन में बैठक हुई। बैठक के शीर्षक "बिक्रस : उज्ज्वल भविष्य के लिए सुदृढ़ भागीदारी" के अंतर्गत हमने हमारी पहले से ही हासिल की गई उपलब्धियों के बारे में ब्रिक्स के भावी विकास के लिए एक साझा दृष्टिकोण तैयार करने का प्रयास किया। हमने साझे हितों के अंतर्राष्ट्रीय और प्रादेशिक मुद्दों पर भी चर्चा की तथा सर्वसम्मति से शियामेन घोषणा को अंगीकृत किया।

2. हम यह दोहराते हैं कि शांति, सुरक्षा, विकास और सहयोग हासिल करने के हमारे प्रमुख उद्देश्य और हमारी आकांक्षा ने ही हमें दस वर्ष पूर्व से आज तक एक-साथ रखने में सहायता की है। ब्रिक्स देशों ने अपने-अपने संबंधित मार्गों पर एक-साथ मिलकर एक उल्लेखनीय यात्रा की है जो उनकी राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरुप तैयार किए गए थे तथा वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं का विकास करने और लोगों की आजीविका में सुधार करने के प्रति प्रतिबद्ध रहे। हमारे प्रतिबद्ध और सतत् प्रयासों ने हमारे नेताओं के पूर्व शिखर-सम्मेलनों द्वारा संपोषित बहुआयामी और बहु सहयोग को गतिशीलता प्रदान की है। विकास और बहुपक्षीयता को बनाए रखते हुए हम अधिक औचित्यपूर्ण, साम्यापूर्ण उचित, लोकतांत्रिक और प्रतिनिधित्वकारी अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था की दिशा में मिलकर कार्य कर रहे हैं।

3. 2006 से ही हमारे सहयोग ने ब्रिक्स की भावना को संपोषित किया है जिसमें पारस्परिक सम्मान और समझ, समानता, एकता, खुलेपन, अंतर्वेशिता और परस्पर लाभदायक सहयोग विद्यमान है, जो हमारी मूल्यवान संपत्ति है तथा ब्रिक्स सहयोग के लिए शक्ति का कभी समाप्त न होने वाला स्रोत है। हमने अपने-अपने विकल्पों के विकास मार्गों के लिए सम्मान दर्शाया है तथा एक-दूसरे के हितों के प्रति समझ और सहयोग प्रदान किया है। इसके समानता और एकता को बनाए रखा है। हमने खुलेपन और अंतर्वेशिता को भी अपनाया है, जो एक मुक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थापित करने के प्रति समर्पित है। हमने उभरने वाले बाजारों तथा विकासशील देशों (ईएमडीसी) के साथ अपने सहयोग को आगे बढ़ाया है। हमने पारस्परिक लाभप्रद परिणामों तथा साझे विकास के लिए मिलकर कार्य किया है जिससे ब्रिक्स का व्यावहारिक सहयोग निरंतर गहन होता गया जिसने समूचे विश्व को लाभान्वित किया।

4. हम अपने सहयोग के अनेक लाभदायक परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हैं जिनमें न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) और आकस्मिक रिजर्व करार (सीआरए) की स्थापना, ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी के लिए रणनीति तैयार करना, सुरक्षा संबंधी मुद्दों के लिए

ब्रिक्स उच्च प्रतिनिधियों की बैठकों और विदेश मंत्रियों की बैठकों के माध्यम से राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाना तथा हमारे लोगों के मध्य मैत्री के पारंपरिक संबंधों को गहन बनाना भी शामिल है।

5. ऊफा और गोवा में आयोजित हमारे शिखर-सम्मेलनों का स्मरण करते हुए हम अपने लोगों के कल्याण के लिए ब्रिक्स रणनीतिक भागीदारी को आगे और बढ़ाने के लिए साथ मिलकर कार्य करेंगे। हम स्वयं को दृढ़ निश्चय के साथ अपने पूर्व शिखर-सम्मेलनों के परिणामों और समझौतों के आधार पर आगे कार्यवाही करने के लिए कृतसंकल्प करते हैं ताकि ब्रिक्स सहयोग और एकता के द्वितीय स्वर्णिम दशक का आगास हो सके।

6. हमारे देशों की व्यापक विकास संभावनाओं तथा हमारे सहयोग की व्यापक क्षमता पर विश्वास रखते हुए हमें ब्रिक्स के उज्ज्वल भविष्य पर पूरा विश्वास है। हम अपने सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

-- हम ब्रिक्स देशों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए हमारे व्यावहारिक सहयोग को अधिक ऊर्जावान बनाएंगे। हम अन्य बातों के साथ-साथ, विकास के संबंध में श्रेष्ठ प्रक्रियाओं और अनुभवों का आदान-प्रदान करेंगे तथा परस्पर जुड़े विकास को हासिल करने के लिए बाजार के परस्पर-संपर्कों तथा अवसंरचना और वित्तीय एकीकरण को सुकर बनाएंगे। हम ईएमडीसी के साथ व्यापक भागीदारी स्थापित करने के प्रयास भी करेंगे, और इस संदर्भ में, हम समान एवं लचीली प्रक्रियाओं का पालन करेंगे तथा गैर-ब्रिक्स देशों के साथ वार्ता और सहयोग के लिए पहल करेंगे जिसमें ब्रिक्स प्लस सहयोग भी शामिल है।

-- हम एक अधिक औचित्यपूर्ण तथा साम्यापूर्ण अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था संपोषित करने के लिए वैश्विक आर्थिक शासन में सुधार हेतु संचार और समन्वय में वृद्धि करेंगे। हम वैश्विक आर्थिक शासन में ब्रिक्स देशों और ईएमडीसी की पैठ और प्रतिनिधित्व में वृद्धि करने के लिए कार्य करेंगे तथा एक खुले अंतर्वेशी और संतुलित आर्थिक वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करेंगे जिससे ईएमडीसीस के विकास में सहायता मिल सके तथा उत्तर-दक्षिण विकास असंतुलनों का निवारण करने और वैश्विक विकास प्रोत्साहित करने पर विशेष बल प्रदान किया जा सके।

-- हम अंतर्राष्ट्रीय और प्रादेशिक शांति और स्थायित्व की रक्षा करने के लिए उचितता और न्याय पर बल प्रदान करेंगे। हम संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित उद्देश्यों और सिद्धांतों पर आधारित उचित और साम्यापूर्ण अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए दृढ़ता के साथ खड़े रहेंगे तथा अंतर्राष्ट्रीय विधि का सम्मान करेंगे, लोकतंत्र को प्रोत्साहित करेंगे और

अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में विधि के नियमों का सम्मान करेंगे तथा साझी पारंपरिक और गैर-पारंपरिक सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का समाधान करने के लिए संयुक्त रूप से प्रयास करेंगे जिससे वैश्विक समुदाय के लिए एक साझे बेहतर भविष्य का निर्माण किया जा सके।

-- हम सांस्कृतिक विविधता को अपनाएंगे तथा गहन पारंपरिक मैत्री के माध्यम से ब्रिक्स सहयोग के लिए अधिक लोकप्रिय समर्थन जुटाने के लिए लोगों का लोगों के साथ संपर्क को प्रोत्साहित करेंगे। हम सभी क्षेत्रों में लोगों के लोगों के साथ विचार-विनियम को विस्तारित करेंगे, ब्रिक्स सहयोग में भाग लेने के लिए समाज के सभी वर्गों को प्रोत्साहित करेंगे, हमारी संस्कृतियां और सभ्यताओं के बीच पारस्परिक समझ को प्रोत्साहित करेंगे, हमारे लोगों के बीच संपर्क और पारस्परिक समय को बढ़ाएंगे तथा पारपंरिक मैत्री को गहन बनाएंगे जिससे ब्रिक्स भागीदारी हमारे लोगों के दिलों के निकट आ सके।

ब्रिक्स व्यावहारिक आर्थिक सहयोग

7. हम यह नोट करते हैं कि अधिक ठोस वैश्विक अर्थव्यवस्था विकास, संवर्धित समुत्थान और उभरते हुए नए देशों की पृष्ठभूमि में, ब्रिक्स देश वैश्विक विकास के वाहकों के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखे हुए हैं। विद्यमान अनिश्चितताओं और ऊर्ध्वगामी जोखिमों को ध्यान में रखते हुए, दस ऐसी अग्र-दर्शी नीतियों और प्रवृत्तियों से सावधान रहने के लिए पर्याप्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता पर बल प्रदान करते हैं जो वैश्विक विकास की संभावनाओं तथा बाजार के विश्वास पर प्रभाव डाल रही हैं। हम सभी देशों का आह्वान करते हैं कि वे अपनी सूक्ष्म-अर्थव्यवस्था और संरचनात्मक नीतियों से अंशशोधित और सूचित करें तथा नीतिगत समन्वय को सुदृढ़ बनाएं।

8. हम यह नोट करते हैं कि व्यावहारिक आर्थिक सहयोग ने पारंपरिक तौर पर ब्रिक्स सहयोग की आधारशिला के रूप में कार्य किया है जिसमें ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी के लिए रणनीतियों का क्रियान्वयन उल्लेखनीय है तथा इसके प्राथमिकता वाले क्षेत्रों जैसे व्यापार और निवेश, विनिर्माण, और खनिज प्रसंस्करण, अवसंरचना संयोजनता, वित्तीय एकीकरण, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता तथा सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) सहयोग, आदि से संबंधित पहलकदम उठाए गए हैं। हम ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी के लिए रणनीति के क्रियान्वयन पर प्रथम रिपोर्ट तथा क्षेत्रीय मंत्रालयी बैठकों द्वारा प्रदत्त परिणामों के व्यापक पैकेज का स्वागत करते हैं। हम समस्त नीतिगत उपकरणों जैसे राजवित्तीय, मौद्रिक और संरचनात्मक का प्रयोग करने तथा हमारी अर्थव्यवस्थाओं की लोच और क्षमताओं में वृद्धि करने के

लिए अभिनवताचालित विकास कार्यनीतियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे एक सुदृढ़, सतत्, संतुलित और अंतर्वेशी वैश्विक विकास को योगदान मिल सके।

9. ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की क्षमताओं का उपयोग करने के लिए संवर्धित व्यापार और निवेश सहयोग की भूमिका पर बल प्रदान करते हुए, हम व्यापार और निवेश सहयोग तंत्र में सुधार करने और उसे विस्तारित करने के लिए सहमत हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिक्स आर्थिक सहयोग में वृद्धि करना तथा ब्रिक्स देशों में वैविधीकरण लाना है। हम सहयोगी ढांचों, व्यापार और निवेश को सुविधा देने के लिए भावी कार्यक्रमों और रूपरेखाओं तथा सूचना आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण, व्यापार और निवेश सुविधा पर संवर्धित संयुक्त प्रयासों के माध्यम से संयोजनता और संवर्धित नीतिगत साझेदारी के संदर्भ में 7वीं ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक के सकारात्मक परिणामों का स्वागत करते हैं जिसमें सेवाओं में व्यापार, ई-वाणिज्य, आईपीआर (ब्रिक्स आईपी प्राधिकारियों के मध्य सहयोग क्रियाकलापों में सहक्रिया लाते हुए), आर्थिक और तकनीकी सहयोग, एसएमई और महिला आर्थिक अधिकारिता के मुद्दे भी सम्मिलित हैं। हम ब्रिक्स ई-पोर्ट नेटवर्क की स्थापना का, जो स्वैच्छिक आधार पर कार्य करेगा तथा ब्रिक्स ई-वाणिज्य कार्यकारी ग्रुप की स्थापना का स्वागत भी करते हैं। हम 2018 में अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्स्पो का आयोजन करने तथा इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए हमारे व्यापारिक समुदायों को प्रोत्साहित करने की चीन की पहल का भी स्वागत करते हैं।

10. हम वास्तविक अर्थव्यवस्था को बेहतर रूप से सेवा प्रदान करने तथा ब्रिक्स देशों की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ब्रिक्स वित्तीय सहयोग में वृद्धि के महत्व पर भी बल प्रदान करते हैं। हम पब्लिक-प्राइवेट भागीदारियों (पीपीपी) पर सहयोग के लिए वित्त मंत्रियों के केन्द्रीय बैंक गर्वनरों द्वारा किए गए करार को नोट करते हैं जिसमें पीपीपी अनुभवजन्य विचार-विनिमय और पीपीपी ढांचों पर ब्रिक्स श्रेष्ठ प्रक्रियाओं का अनुपालन भी शामिल है। हम सहयोग के विभिन्न तरीकों पर तकनीकी चर्चा संचालित करने के लिए एक अस्थायी कार्यबल की स्थापना को भी स्वीकार करते हैं जिसमें राष्ट्रीय अनुभवों पर आधारित एमबीडी की विद्यमान सुविधाओं का उपयोग करना, नई पीपीपी परियोजना तैयारी निधि की स्थापना का अन्वेषण करना और अन्य विकल्प भी शामिल थे। हम हमारे लेखाकरण मानक निर्धारकों और लेखापरीक्षा विनियामकों द्वारा सहयोग और समन्वय को भी प्रोत्साहित करते हैं तथा बांड जारी करने के क्षेत्र में लेखांकन मानकों की अभिसारिता का अन्वेषण करने तथा लेखापरीक्षा निरीक्षण पर सहयोग में निरंतर चर्चा करने पर सहमत हैं ताकि राष्ट्रीय विधान और नीतियों के क्रियान्वयन को सम्यक सम्मान देते हुए ब्रिक्स देशों के मध्य बांड बाजार संयोजनता के लिए आधारशिला तैयार की

जा सके। हम ब्रिक्स स्थानीय मुद्रा बांड बाजारों के विकास को प्रोत्साहित करने तथा संयुक्त रूप से ब्रिक्स स्थानीय मुद्रा बांड निधि की स्थापना करने पर सहमत हैं जो ब्रिक्स देशों में वित्त-पोषण की पूंजीगत संपोषणीयता को योगदान देने का एक माध्यम होगा जिससे ब्रिक्स घरेलू और क्षेत्रीय बांड बाजारों के विकास को बल मिलेगा तथा इसमें विदेशी निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता में वृद्धि करना और ब्रिक्स देशों में वित्तीय लोच में वृद्धि करना भी शामिल है।

11. ब्रिक्स देशों के मध्य व्यापार और निवेश के त्वरित विकास से उठती हुई मांग की पूर्ति करने के उद्देश्य से, हम वित्तीय संस्थाओं के नेटवर्क को प्रोत्साहित करने तथा ब्रिक्स देशों के भीतर वित्तीय सेवाओं की कवरेज के माध्यम से वित्तीय बाजार के एकीकरण को सुकर बनाने के लिए सहमत हैं जो प्रत्येक देश के विद्यमान विनियामक ढांचे और डब्ल्यूटीओ दायित्वों के अध्यधीन है तथा हम वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों के बीच अधिक संप्रेषण और सहयोग भी सुनिश्चित करेंगे। हम धन-शोधन का निवारण करने तथा आतंकवाद को वित्त-पोषित करने और एफएटीएम के प्रसार पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों को क्रियान्वित करने और उनमें सुधार लाने के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमत हैं जिसमें एएमएल/सीएफटी पर ब्रिक्स शिष्टमंडल प्रमुखों के मध्य सहयोग और ब्रिक्स सीटीडब्ल्यूजी के कार्य का संदर्भ भी शामिल है और इसमें अन्य मंचों का प्रयोग भी किया जाएगा तथा राष्ट्रीय वित्तीय प्रणालियों के एकीकरण को सुरक्षित किया जाएगा। हम एक-दूसरे के केन्द्रीय बैंक के विधिक अधिदेश के अनुरुप मुद्रा सहयोग में वृद्धि करने के लिए घनिष्ठता से बातचीत करने के लिए भी सहमत हैं जिसमें जहां उपयुक्त हो, मुद्रा स्वैप, स्थानीय मुद्रा निपटान और स्थानीय मुद्रा प्रत्यक्ष निवेश करना तथा मुद्रा सहयोग की अधिक कार्यनीतियों का अन्वेषण करना भी शामिल है। हम ब्रिक्स आर्थिक और व्यापार सहयोग को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन जारी रखने के लिए ब्रिक्स इंटरबैक सहयोग तंत्र को प्रोत्साहित करते हैं। हम इंटरबैंक स्थानीय मुद्रा क्रेडिट लाइन पर तथा क्रेडिट रेटिंग के संदर्भ में इंटरबैंक सहयोग पर ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय विकास बैंकों के साथ समझौता-ज्ञापन करने की प्रक्रिया में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं।

12. हम मध्यम और दीर्घावधिक आर्थिक विकास तथा वैश्विक संपोषणीय विकास के लिए एक प्रमुख कारक के रूप में अभिनवता के महत्व को प्रदर्शित करते हैं। हम अपनी जांच अर्थव्यवस्थाओं के लिए विकास की नई गति प्राप्त करने के लिए सहक्रिया स्थापित करने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता (एसटीआई) पर सहयोग को संवर्धित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा हम हमारे द्वारा सामना की जा रही विकास संबंधी चुनौतियों का निवारण करना जारी रखेंगे। हम ब्रिक्स एसटीआई ढांचा

कार्यक्रम के अंतर्गत ब्रिक्स अनुसंधान और विकास के चयन की प्रशंसा करते हैं तथा परियोजनाओं के लिए द्वितीय आह्वान आरंभ किए जाने को नोट करते हैं। हम ब्रिक्स एसटीआई सहयोग समझौता-ज्ञापन का स्वागत करते हैं तथा अभिनवता और उद्यमिता पर संवर्धित सहयोग का समर्थन करते हैं जिसमें प्रौद्योगिकी अंतरण और अनुप्रयोग को प्रोत्साहन देना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पार्कों और उपक्रमों के मध्य सहयोग तथा अनुसंधानकर्ताओं, उद्यमियों, वृत्तिकों और छात्रों की संचलनता भी शामिल है। हम इस प्रक्रिया में शिक्षाविदों, व्यापारों, सिविल सोसाइटी और अन्य हितधारकों की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं और एनडीबी सहित विद्यमान वित्त-पोषण संस्थाओं और मंचों के माध्यम से एसटीआई निवेश और सीमापार निवेश के संवर्धन का समर्थन करते हैं। हम अभिनवता और उद्यमवृत्ति के लिए एक सहयोग मंच पर कार्य जारी रखने के लिए सहमत हैं तथा ब्रिक्स अभिनवता सहयोग कार्य योजना 2017-2020 के क्रियान्वयन का समर्थन करते हैं।

13. हम ब्रिक्स औद्योगिक सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनःपुष्टि करते हैं जिसमें औद्योगिक सहयोग और नीतियां, नई औद्योगिक अवसंरचना और मानक तथा लघु सूक्ष्म और मध्यम आकार के उद्यम (एसएमएमई) भी शामिल हैं, ताकि नई औद्योगिक क्रांति द्वारा लाए गए अवसरों को संयुक्त रूप से लाभ उठाया जा सके तथा हमारी संबंधित नई औद्योगिकीकरण प्रक्रियाओं में तेजी लाई जा सके। हम ब्रिक्स भावी नेटवर्क संस्थान की स्थापना का अन्वेषण करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करते हैं। हम आईसीटी में संयुक्त ब्रिक्स अनुसंधान, विकास और अभिनवता में संवृद्धि करेंगे जिसमें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, बिग डेटा, डेटा एनालाइसिस, नैनोक्नालॉजी, कृत्रिम आसूचना और 5जी तथा उनके अभिनव अनुप्रयोग भी शामिल हैं जिससे कि हमारे देशों में आईसीटी अवसंरचना और संयोजनता के स्तर को बढ़ाया जा सके। हम आईसीटी अवसंरचना, डेटा संरक्षण और इंटरनेट की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि से स्वीकार्य नियमों की स्थापना की हिमायत करेंगे जिन्हें सभी संबंधित पक्षकारों द्वारा व्यापक रूप से स्वीकार किया जा सकता है तथा संयुक्त रूप से ऐसे नेटवर्क का निर्माण करेंगे जो सुरक्षित और संरक्षित हो। हम आईसीटी में निवेश में वृद्धि करेंगे, आईसीटी अनुसंधान और विकास में निवेश को और बढ़ाने की आवश्यकता को मान्यता देंगे तथा माल और सेवाओं के उत्पादन में अभिनवता की गतिशीलता को मुक्त बनाएंगे। हम स्मार्ट शहरों, स्वास्थ्य देखरेख और ऊर्जा चालित उपकरणों आदि के क्षेत्रों में अभिनव समाधानों की अगली पीढ़ी को विकसित किए जाने के माध्यम से आईसीटी हार्डवेयर, साफ्टवेयर और कौशल में अनुपूरक शक्तियों का लाभ उठाते हुए अवधारणाओं और प्रायोगिक परियोजनाओं के क्रियान्वयन में संस्थानों, संगठनों, उपक्रमों के बीच

भागीदारी की पहचान करने और उसे सुकर बनाने को प्रोत्साहित करेंगे। हम ब्रिक्स आईसीटी विकास एजेंडा और कार्य योजना का क्रियान्वयन करने में सक्रिय सहयोग को समर्थन देंगे।

14. हम सतत् विकास के लिए 2030 एजेंडा के पूर्णत: क्रियान्वयन के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं। हम एक संतुलित और एकीकृत तरीके से संपोषणीय विकास की प्राप्ति इसके तीन आयामों अर्थात् आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय में करने के लिए औचित्यपूर्ण, खुले, चहुंमुखी, अभिनवता-चालित और अंतर्वेशी विकास की भी हिमायत करेंगे। हम 2030 एजेंडा के वैश्विक क्रियान्वयन का समन्वय और समीक्षा करने में संपोषणीय विकास संबंधी उच्च-स्तरीय राजनीतिक फोरम सहित संयुक्त राष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन करते हैं तथा 2030 एजेंडा के क्रियान्वयन में सदस्य राष्ट्रों को सहायता प्रदान करने में इसकी सक्षमताओं में वृद्धि करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली में सुधार की आवश्यकता का समर्थन करते हैं। हम विकासशील देशों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी अधिकारिक विकास सहायता प्रतिबद्धताओं को समय पर पूरा करें तथा विकासशील देशों को अधिक विकास संसाधन मुहैया कराएं।

15. आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए, हम ऊर्जा के बारे में ब्रिक्स सहयोग को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह मान्यता देते हैं कि संपोषणीय विकास, ऊर्जा तक पहुंच और ऊर्जा सुरक्षा साझी समृद्धि तथा उपग्रह के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। हम यह मानते हैं कि स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा सभी के लिए किफायती बनाए जाने की आवश्यकता है। हम ऊर्जा पण्यों और प्रौद्योगिकियों के लिए खुले, लचीले और पारदर्शी बाजारों को सृजित करने के प्रति कार्य करेंगे। हम साथ मिलकर जीवाश्म ईंधनों के सर्वाधिक कार्यकुशल प्रयोग तथा गैस, हाइड्रो और परमाणु ऊर्जा के व्यापक उपयोग के लिए कार्य करेंगे जो एक निम्न उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था, बेहतर ऊर्जा तक पहुंच और संपोषणीय विकास में रूपांतरण के लिए योगदान देगा। इस संबंध में, हम सिविल परमाणु ऊर्जा क्षमता के विस्तार के लिए प्रौद्योगिकी और वित्त तक पहुंच बनाने में पूर्वानुमान के महत्व को रेखांकित करते हैं जो ब्रिक्स देशों में संपोषणीय विकास के प्रति योगदान देगा। हम ब्रिक्स ऊर्जा अनुसंधान सहयोग मंच की स्थापना पर सतत् वार्तालाप को प्रोत्साहित करते हैं तथा प्रासंगिक प्राधिकारियों से आग्रह करते हैं कि वे ऊर्जा सहयोग और ऊर्जा दक्षता पर संयुक्त अनुसंधान को प्रोत्साहित करना जारी रखें।

16. हम संपोषणीय विकास और गरीबी उन्मूलन करने, जलवायु परिवर्तन पर ब्रिक्स के सहयोग को बढ़ाने तथा हरित वित्त-पोषण का विस्तार करने के संदर्भ में हरित विकास और निम्न-कार्बन अर्थव्यवस्था को और प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हम सभी देशों से आह्वान करते हैं कि वे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के सिद्धांतों के अंतर्गत पेरिस करार का पूर्णत: क्रियान्वयन करें जिसमें साझे परंतु भिन्न-भिन्न उत्तरदायित्वों और संबंधित क्षमताओं के सिद्धांत भी शामिल हैं तथा विकसित देशों से आग्रह करते हैं कि वे विकासशील देशों को शमनीकरण और अनुकूलन में उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वित्तीय, प्रौद्योगिकीय और क्षमता-निर्माण सहयोग प्रदान करें।

17. हमारे देशों के संपोषणीय विकास तथा हमारे लोगों की कुशलता के लिए पर्यावरणीय सहयोग के महत्व पर बल प्रदान करते हुए, हम ऐसे क्षेत्रों जैसे वायु और जल प्रदूषण निवारण, अपशिष्ट प्रबंधन और जैव-विविधता परिरक्षण में परिणामोन्मुखी सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए ठोस कार्यवाही करने के लिए सहमत हैं। हम पर्यावरण-दृष्टि से मजबूत प्रौद्योगिकी मंच के महत्व तथा शहरी पर्यावरणीय संपोषणीयता में सुधार करने को मान्यता देते हैं तथा इस संबंध में ब्रिक्स के संयुक्त प्रयासों को समर्थन देते हैं। ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका 2020 में जैविक विविधता पर पक्षकारों के कन्वेंशन की कांफ्रेस की बैठक में आयोजित करने के चीन के प्रयास की सराहना और समर्थन करते हैं।

18. पिछले वर्षों में लाभप्रद कृषीय सहयोग को नोट करते हुए हम कृषि विकास में ब्रिक्स देशों की विशिष्ट विशेषताओं और पारस्परिक सहयोग तथा इस क्षेत्र में व्यापक सहयोग क्षमता को मान्यता देते हैं। इस संबंध में, हम पांच प्राथमिकता क्षेत्रों अर्थात् खाद्य सुरक्षा और पोषण, जलवायु परिवर्तन के प्रति कृषि अनुकूलन, कृषि प्रौद्योगिकी सहयोग और अभिनवता, कृषि व्यापार और निवेश तथा कृषि में आईसीटी अनुप्रयोग में सहयोग को गहन बनाने के लिए सहमत हैं ताकि स्थिर वैश्विक कृषि विकास तथा सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योगदान दिया जा सके। हम ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच समन्वय केन्द्र की भारत में स्थापना का स्वागत करते हैं जो एक वास्तविक नेटवर्क है और इन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा।

19. हम स्वतंत्र और संपोषणीय विकास हासिल करने तथा वन्यजीव संरक्षण में अफ्रीकी महाद्वीप द्वारा झेली जा रही चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हैं। हम अफ्रीका के साथ सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा महाद्वीप को अवैध वन्यजीव व्यापार का निवारण करने, रोजगार, खाद्य सुरक्षा, अवसंरचना विकास और औद्योगिकीकरण में वृद्धि करने के लिए सहायता करने में अपनी प्रतिबद्धता की पुन:पुष्टि करते हैं जिसे संयोजनता और विकास पहलकदमों और परियोजनाओं के माध्यम से हासिल किया जाएगा। हम शांति और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए इसके महाद्वीपीय एजेंडा पर कार्यवाही करने के संबंध में एजेंडा 2063 के अंतर्गत इसके विभिन्न कार्यक्रमों के

लिए अफ्रीकी संघ के क्रियान्वयन के प्रति भी अपना सुदृढ़ सहयोग की पुन: पुष्टि करते हैं।

20. संधारणीय विकास पर भ्रष्टाचार के नकारात्मक प्रभावों से स्पष्टत: अवगत होते हुए, हम ब्रिक्स भ्रष्टाचार विरोधी सहयोग को बढ़ाने के प्रयासों का समर्थन करते हैं। हम वार्ता और अनुभव को साझा करने की प्रक्रिया को गहन बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन:पुष्टि करते हैं। हम इस बात को भी मान्यता देते हैं कि भ्रष्टाचार के प्रतिफलों का अवैध प्रवाह आर्थिक विकास और वित्तीय स्थायित्व को बाधित करता है तथा आस्तियों की पुन: प्राप्ति में संवर्धित सहयोग का समर्थन करते हैं। हम भ्रष्टाचार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत बनाने को समर्थन देते हैं जिसमें ब्रिक्स भ्रष्टाचार-रोधी कार्यकारी समूह के माध्यम से कार्यवाही शामिल है तथा आस्तियों की पुन: प्राप्ति तथा भ्रष्टाचार के लिए वांछित व्यक्तियों से संबंधित मामलों का भी समर्थन करते हैं। हम यह मानते हैं कि अवैध धन और वित्तीय प्रवाहों तथा विदेशी अधिकारिता में रखी गई अवैध रूप से कमाई गई संपत्ति सहित भ्रष्टाचार एक वैश्विक चुनौती है जिसका आर्थिक विकास तथा संपोषणीय वृद्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम इस संबंध में अपने दृष्टिकोण को समन्वित करने तथा संयुक्त राष्ट्र भ्रष्टाचार विरोधी कन्वेंशन तथा अन्य प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय विधिक उपकरणों के आधार पर भ्रष्टाचार का निवारण और उससे संघर्ष करने के लिए एक सुदृढ़ वैश्विक प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करते हैं।

21. डिजिटल अर्थव्यवस्था के युग में रहते हुए, हम इसके द्वारा उपलब्ध कराए गए अवसरों का प्रयोग करने तथा वैश्विक विकास के प्रति इसके द्वारा खड़ी की गई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम अभिनवता, भागीदारी, सहक्रिया, व्यवहार्यता, खुलेपन और अनुकूल व्यापार परिवेश, भरोसे और सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकारों का संरक्षण के सिद्धांतों के आधार पर कार्य करेंगे ताकि एक समृद्ध और गतिशील डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए परिस्थितियां सुनिश्चित की जा सकें जो वैश्विक आर्थिक विकास लाएंगी और सभी को लाभान्वित करेंगी।

22. हम अवसंरचना, विनिर्माण, ऊर्जा, कृषि, वित्तीय सेवाओं, ई-वाणिज्य, तकनीकी मानकों के संरेखण तथा कौशल विकास में हमारे आर्थिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने के लिए ब्रिक्स व्यापार परिषद और व्यापार फोरम के प्रयासों और योगदान की सराहना करते हैं। हम व्यापार परिषद के फ्रेमवर्क के भीतर क्षेत्रीय विमानन पर एक कार्यकारी समूह की स्थापना का स्वागत करते हैं तथा इस संबंध में क्षेत्रीय विमानन भागीदारी पर समझौता-ज्ञापन लाने के ब्राजील के प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। हम ब्रिक्स सहयोग में सक्रियता से भाग लेने के लिए व्यापारिक समुदायों और संघों को प्रोत्साहित करते हैं तथा पारस्परिक लाभप्रद सहयोग को प्रोत्साहित करने में व्यापार

और निवेश सहयोग संस्थाओं के रूप में उनकी भूमिकाओं का पूर्ण निर्वाह करने में उन्हें समर्थन देते हैं।

23. हम श्रम बाजार में हो रहे रूपांतरण के महत्व तथा इसके द्वारा पैदा किए जा रहे अवसरों और चुनौतियों को पहचानते हैं। हम मानव संसाधन, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा, सुदृढ़ श्रम बाजार सूचना प्रणालियों को संपोषित करने तथा श्रम अनुसंधान संस्थानों की ब्रिक्स की नेटवर्किंग और ब्रिक्स सामाजिक सुरक्षा सहयोग फ्रेमवर्क के संबंध में ब्रिक्स के सहयोग में प्रगति को संतोष के साथ नोट करते हैं। हम कार्य के भविष्य शासन पर ब्रिक्स साझी स्थिति की प्राप्ति का स्वागत करते हैं तथा पूर्ण नियोजन सुनिश्चित करने के लिए विचार-विनिमय और सहयोग को और सुदृढ़ बनाने, उत्कृष्ट कार्य को प्रोत्साहन देने, कौशल विकास के माध्यम से गरीबी उपशमन और कटौती करने तथा सार्वभौमिक और संपोषणीय सामाजिक सुरक्षा प्रणालियां हासिल करने के लिए सहमत हैं।

24. हम अपने देशों का दक्ष सामाजिक और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने, अभिनवता प्रक्रियाओं को उत्प्रेरित करने तथा हमारे उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पापद प्रदान करने के लिए प्रतिस्पर्धा संरक्षण के महत्व को पहचानते हैं। हम अपने देशों के प्रतिस्पर्धा प्राधिकारियों के मध्य संपर्क स्थापित किए जाने, विशेष रूप से ऐसी सीमितकारी व्यापार प्रक्रियाओं की पहचान करने और उनका निवारण करने, जो सीमापार प्रकृति की हैं, के महत्व को नोट करते हैं।

25. हम व्यापार सरलीकरण, सुरक्षा और प्रर्वतन, क्षमता निर्माण और पारस्परिक हित के अन्य मुद्दों पर सीमा-शुल्क प्रशासनों द्वारा सहयोग के संबंध में हासिल की गई प्रगति को संतोष के साथ नोट करते हैं जिसे विभिन्न तंत्रों में माध्यम से हासिल किया गया है, जैसे ब्रिक्स सीमा-शुल्क सहयोग समिति तथा ब्रिक्स सीमा-शुल्क कार्यकारी समूह। हम सूचना के पारस्परिक आदान-प्रदान, सीमा-शुल्क नियंत्रण की पारस्परिक मान्यता तथा प्रवर्तन में पारस्परिक सहायता के मार्गदर्शी-सिद्धांतों के अंतर्गत व्यापक सहयोग को प्रोत्साहित करते हैं जिससे विकास प्रोत्साहित हो और लोगों के कल्याण को भी बल मिल सके। सीमा-शुल्क मामलों पर पारस्परिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से हम यथाशीघ्र ब्रिक्स सीमा-शुल्क पारस्परिक सहायता करार को अंतिम रूप देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं।

26. हम शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए बाह्य अंतरिक्ष का प्रयोग करने के सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं तथा अंतरिक्ष क्रियाकलापों मे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता पर बल प्रदान करते हैं ताकि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों का प्रयोग वैश्विक जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संरक्षण, आपदा निवारण तथा राहत और

मानव द्वारा सामना की जा रही अन्य चुनौतियों के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त करने के उद्देश्य से किया जा सके।

27. आपदा प्रबंधन के लिए ब्रिक्स मंत्रियों की सेंट पीटर्सबर्ग और उदयपुर घोषणा तथा आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए ब्रिक्स संयुक्त कार्यबल स्थापित करने के निर्णय का स्मरण करते हुए हम ब्रिक्स देशों की आपातकालीन सेवाओं के सतत् संयुक्त कार्य के महत्व को रेखांकित करते हैं जिसका उद्देश्य विद्यमान आपदा जोखिमों को कम करने के एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण करना है, जिसमें आपदा जोखिम प्रबंधन से संबंधित श्रेष्ठ प्रक्रियाओं पर सूचना का आदान-प्रदान तथा प्राकृतिक और मानव उत्प्रेरित आपदाओं पर प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए पूर्वानुमान और शीघ्र चेतावनी के क्षेत्र में सहयोग किया जाना भी शामिल है।

28. हम विभिन्न क्षेत्रों जैसे लेखापरीक्षा, सांख्यिकीय और निर्यात क्रेडिट में ब्रिक्स सहयोग में प्रगति को संतोषण के साथ नोट करते हैं तथा इन क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत हैं।

वैश्विक आर्थिक शासन

29. हम एक ऐसा वैश्विक आर्थिक शासन तैयार करने का संकल्प करते हैं जो अधिक प्रभावी है तथा वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को प्रतिबिंबित करता हो और उभरते हुए बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आवाज और प्रतिनिधित्व को मजबूत बनाता हो। हम एक नए कोटा फार्मूले के साथ आईएमएफ द्वारा कोटा की 15वीं आम समीक्षा 2019 बसंत बैठक तक तथा 2019 की वार्षिक बैठकों के पूर्व-अपश्चात् समाप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं। हम विश्व बैंक समूह हितधारक समीक्षा के क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करना जारी रखेंगे।

30. हम संधारणीय विकास और वृद्धि के लिए एक मुक्त और लचीली वित्तीय प्रणाली के महत्व पर बल प्रदान करते हैं तथा पूंजीगत प्रवाह के लाभों का बेहतर रूप से प्रयोग करने और सीमापार से पर्याप्त रूप से होने वाले पूंजी के प्रवाह और उतार-चढ़ाव से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए सहमत हैं। ब्रिक्स सीआरए ब्रिक्स वित्तीय सहयोग और विकास के मील के पत्थर का प्रतिनिधित्व करता है, जो वैश्विक वित्तीय स्थायित्व में भी योगदान देता है। हम सूक्ष्म-वाणिज्य सूचना में विनियम (एसईएमआई) की सीआरए प्रणाली की स्थापना का स्वागत करते हैं तथा सीआरए की अनुसंधान क्षमता को और सुदृढ़ बनाने और आईएमएफ तथा सीआरए के बीच घनिष्ठ सहयोग को प्रोत्साहित करने पर भी सहमत हैं।

31. हम दक्षिण अफ्रीका में आरंभ किए गए एनडीबी अफ्रीका क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना का स्वागत करते हैं जो बैंक का प्रथम क्षेत्रीय कार्यालय है। हम परियोजना निर्माण

निधि की स्थापना और इसकी परियोजनाओं के वित्तीय बैच के अनुमोदन का स्वागत करते हैं। हम बैंक को उसके स्थायी मुख्यालय भवन के शिलान्यास पर बधाई देते हैं। हम देशों के मध्य घनिष्ठ आर्थिक संबंधों और भागीदारियों को संपोषित करने के लिए अवसंरचना संयोजनता के महत्व पर बल प्रदान करते हैं। हम एनबीडी को इसकी भूमिका का पूर्णत: प्रयोग करने तथा विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक और ब्रिक्स व्यापार परिषद सहित बहुपक्षीय विकास संस्थाओं के साथ सहयोग में वृद्धि करने के लिए प्रोत्साहन देते हैं ताकि संसाधन जुटाने की रणनीति तैयार की जा सके तथा ब्रिक्स देशों को अवसंरचना निर्माण और संघारणीय विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

32. हम एक मुक्त और अंतर्वेशी विश्व अर्थव्यवस्था के महत्व पर बल प्रदान करते हैं जो सभी देशों और लोगों को वैश्वीकरण के लाभों के साझा करने में समर्थ बनाएगी। हम एक नियम-आधारित, पारदर्शी, गैर-भेदभावकारी, मुक्त और अंतर्वेशी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति दृढ़ता के साथ प्रतिबद्ध रहेंगे, जैसा कि डब्ल्यूटीओ में प्रतिपादित किया गया है। हम विद्यमान डब्ल्यूटीओ नियमों का पूर्ण क्रियान्वयन और प्रवर्तन सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन:पुष्टि करते हैं और डब्ल्यूटीओ को और मजबूत बनाने केलिए साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम बाली और नैरोबी एमसीएम के परिणामों के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा सकारात्मक परिणाम उत्पन्न करने के लिए इस वर्ष आर्जेंटीना में होने वाले डब्ल्यूटीओ मंत्रालयी सम्मेलन का आह्वान करते हैं। हम संरक्षणवाद का दृढ़तापूर्वक विरोध करना जारी रखेंगे। हम संरक्षणवदी उपायों को रोकने और वापस लेने की अपनी प्रतिज्ञा की पुन: पुष्टि करते हैं तथा हम अन्य देशों का आह्वान करते हैं कि वे इस प्रतिबद्धता में हमारे साथ आएं।

33. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में जी 20 की अनवरत भूमिका को महत्व प्रदान करते हुए, हम हैम्बर शिखर-सम्मेलन और हैंगजोऊ शिखर-सम्मेलन सहित जी 20 शिखर-सम्मेलनों के परिणामों के क्रियान्वयन पर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम जी 20 से आह्वान करते हैं कि वह नकारात्मक हानियों को और ईएमडीई के बाह्य आघातों को कम करने के लिए सूक्ष्म-अर्थव्यवस्था नीति सहयोग में और अधिक वृद्धि करे। हम 2018 में आर्जेंटीना की अध्यक्षता के अंतर्गत समन्वय और सहयोग में वृद्धि करने पर सहमत हैं जिसका उद्देश्य जी 20 प्रक्रिया और परिणामों द्वारा ईएमडीई के हितों और प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित कराना है।

34. हम एक उचित और आधुनिक वैश्विक कर प्रणाली प्राप्त करने तथा एक अधिक औचित्यपूर्ण, विकासोन्मुखी और कार्यकुशल अंतर्राष्ट्रीय कर परिवेश को संवर्धित

करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं जिसमें आधार, अपक्षय और लाभ स्थानांतरण (वीईपीएस) का निवारण करते हुए सूचना और जानकारी के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने तथा विकासशील देशों में क्षमता-निर्माण में सुधार लाने के लिए सहयोग को और गहन करना भी शामिल है। हम अंतर्राष्ट्रीय कर नियम निर्धारित करने तथा प्रत्येक देश की प्राथमिकताओं के अनुसार अन्य विकासशील देशों को प्रभावी और संपोषणीय तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु ब्रिक्स के योगदान में वृद्धि करने के लिए ब्रिक्स कर सहयोग को सुदृढ़ बनाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा

35. विश्व में हो रहे व्यापक परिवर्तनों तथा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सामना की जा रही वैश्विक सुरीक्षा चुनौतियों और संकटों से अवगत रहते हुए, हम अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर संप्रेषण और सहयोग में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम विश्व शांति और सुरक्षा की रक्षा करने तथा अंतर्राष्ट्रीय विधि के आधारभूत मानदण्डों तथा संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के प्रयोजनों और सिद्धांतों, जिसमें संप्रभुत्ता की समानता और दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना भी शामिल है, को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

36. हम 27-28 जुलाई, 2017 को बीजिंग में सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर आयोजित ब्रिक्स के उच्च प्रतिनिधियों की 7वीं बैठक का स्वागत करते हैं तथा वैश्विक शासन, आतंकवाद का विरोध, आईसीटी के प्रयोग में में सुरक्षा, ऊर्जा, सुरक्षा, प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय हाटस्पॉट तथा राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर चर्चा करने और हमारी साझी समझ में वृद्धि करने के लिए बैठक की प्रशंसा करते हैं। हम ब्रिक्स आसूचना फोरम स्थापित करने के ब्राजील के प्रस्ताव को नोट करते हैं। हम बैठक की कार्यवाहियों की सूचना हमें देने के लिए चीन की रिपोर्ट का स्वागत करते हैं तथा इस कार्य को जारी रखने के लिए पश्चात्वर्ती अध्यक्षों को प्रोत्साहित करते हैं। हम उपर्युक्त क्षेत्रों में सहमत किए गए व्यावहारिक सुरक्षा सहयोग में वृद्धि करने की प्रतीक्षा करते हैं।

37. हम चीन की पहल पर बीजिंग में 18-19 जून, 2017 को ब्रिक्स विदेश/अंतराष्ट्रीय संबंध, मंत्रियों की बैठक आयोजित करने के लिए चीन का स्वागत करते हैं। मंत्रियों ने साझे महत्व के प्रमुख वैश्विक राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों तथा ब्रिक्स सहयोग को मजबूत बनाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। हम यूएनजीए के दौरान विदेश मंत्रियों की होने वाली बैठक की प्रतीक्षा करते हैं। हम 2018 में

आगामी स्टैंड-अलोन विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करने के दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव का स्वागत करते हैं।

38. हम स्मरण करते हैं कि विकास और सुरक्षा आपस में जुड़े हैं, एक-दूसरे को बल प्रदान करते हैं तथा संपोषणीय शांति प्राप्त करने का आधार है। हम अपने इस दृष्टिकोण को दोहराते हैं कि संपोषणीय शांति स्थापित करने के लिए पारस्परिक भरोसे, पारस्परिक लाभ, क्षमता और सहयोग पर आधारित व्यापक, केन्द्रित और दृढ़तापूर्व दृष्टिकोण अपेक्षित है जो विवादों के कारणों का समाधान करती है, जिसमें उनके राजनीतिक आर्थिक और सामाजिक आयाम भी शामिल होते हैं। हम अंतर्राष्ट्रीय विधि तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सार्वभौमिक मान्यताप्राप्त मानदण्डों के उल्लंघन में एकपक्षीय सैन्य हस्तक्षेपों, आर्थिक प्रतिबंधों तथा एकपक्षीय प्रपीड़न उपायों के मनमाने प्रयोग की निंदा करते हैं। हम बल प्रदान करते हैं कि किसी भी देश को दूसरे देश की सुरक्षा की कीमत पर अपनी सुरक्षा में वृद्धि नहीं करनी चाहिए।

39. हम एक सार्वभौमिक बहुपक्षीय संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं जिसे अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा स्थापित करने, वैश्विक विकास को संवर्धित करने तथा मानवाधिकारों को प्रोत्साहित और संरक्षित करने का अधिदेश दिया गया है।

40. हम 2005 विश्व शिखर-सम्मेलन परिणाम दस्तावेज का स्मरण करते हैं तथा सुरक्षा परिषद सहित संयुक्त राष्ट्र के व्यापक सुधार की आवश्यकता की पुन: पुष्टि करते हैं जिसका उद्देश्य इसे अधिक प्रतिनिधिकारी, प्रभावी और दक्ष बनाना है तथा इसमें विकासशील देशों के प्रतिनिधित्व में वृद्धि करना है ताकि यह वैश्विक चुनौतियों पर पर्याप्त प्रतिक्रिया व्यक्त कर सके। चीन और रूस अंतर्राष्ट्रीय मामलों में ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और भूमिका के साथ जुड़े महत्व को दोहराते हैं तथा संयुक्त राष्ट्र में उनके द्वारा अधिक व्यापक भूमि का निभाने की उनकी आकांक्षा का समर्थन करते हैं।

41. हम यह दोहराते हैं कि सीरिया में संकट का एकमात्र स्थायी समाधान एक अंतर्वेशी "सीरियाई-नेतृत्व, सीरियाई-स्वामित्व" वाली राजनीतिक प्रक्रिया से ही निकल सकता है जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद संकल्प 2254 (2015) के अनुसरण में सीरिया की संप्रभुत्ता, स्वतंत्रता और प्रादेशिक अखंडता की रक्षा करेगी तथा सीरियाई लोगों की वैध आकांक्षाओं को प्रोत्साहित करेगी। हम जिनेवा शांति वार्ताओं और अस्ताना प्रक्रिया का दृढ़ता से समर्थन करते हैं तथा सीरिया में उपद्रवहीन क्षेत्रों के सृजन का स्वागत करते हैं, जिन्होंने हिंसा के स्तरों में कमी जाने तथा संयुक्त राष्ट्र के

तत्वावधान में शांति वार्ताओं में अर्थपूर्ण प्रगति के लिए सकारात्मक माहौल और परिस्थितियां सृजित की हैं। हम किसी भी परिस्थिति में किसी भी प्रयोजन के लिए किसी भी देश के द्वारा रासायनिक हथियारों के प्रयोग का विरोध करते हैं।

42. हम संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक संकल्पों मौद्रिक सिद्धांतों, अरब शांति पहलों तथा पक्षकारों के बीच पूर्व में बातचीत से किए गए करारों के आधार पर मध्य-पूर्व में शांति और स्थायित्व स्थापित करने के उद्देश्य से इजराइली-फिलिस्तीनी विवाद के औचित्यपूर्ण, स्थायी और व्यापक समाधान की तात्कालिक आवश्यकता को दोहराते हैं जिसका उद्देश्य एक स्वतंत्र, व्यावहारिक, प्रादेशिक दृष्टि से निकटस्थ फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना करना है जो इजराइल के साथ शांति और सुरक्षा की भावना में रहे। ऐसे समाधान के प्रति अधिक योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध रहते हुए हम मध्यपूर्व विवाद के औचित्यपूर्ण और स्थायी समाधान के प्रति अपने योगदान में वृद्धि करने की तैयारी को अभिव्यक्त करते हैं तथा क्षेत्र में शांति और स्थायित्व को प्रोत्साहित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को समर्थन देते हैं।

43. हम इराक की जनता और सरकार को मोसुल प्राप्त करने तथा आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में हासिल की गई प्रगति के लिए बधाई देते हैं तथा इराक की संप्रभुत्ता, प्रादेशिक अखंडता और राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं और इराक की जनता और उसके लोगों के लिए अपना सहयोग दोहराते हैं। हम यमन में स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त करते हैं तथा सभी पक्षकारों से आग्रह करते हैं कि वे वैमनस्य को छोड़कर संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित वार्तालापों को आरंभ करें। हम खाड़ी क्षेत्र में विद्यमान राजनयिक संकट में प्रत्यक्षत: शामिल पक्षकारों से भी आह्वान करते हैं कि वे वार्ता के माध्यम से अपने मतभेदों को दूर करें तथा इस संबंध में कुवैती मध्यस्थता के प्रयासों का स्वागत करते हैं।

44. हम डीपीआरके द्वारा संचालित परमाणु परीक्षण की दृढ़ता से निंदा करते हैं। हम कोरियाई प्राय:द्वीप में चल रहे वर्तमान तनाव तथा दीर्घकालिक परमाणु मुद्दे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं और बल देते हैं कि वह इसका हल शांतिपूर्ण तरीके से तथा सभी संबंधित पक्षकारों के साथ प्रत्यक्ष वार्ता करने के माध्यम से निकाले।

45. हम ईरान के परमाणु मुद्दे पर संयुक्त व्यापक कार्रवाई योजना (जेसीपीओए) का दृढ़ता से समर्थन करते हैं तथा सभी पक्षकारों से आह्वान करते हैं कि वे उनकी बाध्यताओं का पूर्णत: पालन करें तथा अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को प्रोत्साहित करने के लिए जेसीपीओए का पूर्ण और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

46. हम क्षेत्रीय मुद्दों का समाधान करने तथा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए अफ्रीकी देशों, अफ्रीकी संघ तथा उप-क्षेत्रीय संगठनों के प्रयासों की प्रशंसा करते हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार संयुक्त राष्ट्र और अफ्रीकी संघ के बीच सहयोग के महत्व पर बल प्रदान करते हैं। हम कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लीबिया, दक्षिण सूडान, सोमालिया, मध्य अफ्रीका गणराज्य और पश्चिमी सहारा में विद्यमान मुद्दों के व्यापक समाधान के लिए प्रयासों का समर्थन करते हैं।

47. हम उस आतंकवादी हमले, जिसके फलस्वरूप मासूम अफगान राष्ट्रिकों की जानें गईं, की पुरजोर निंदा करते हैं। हिंसा को तत्काल समाप्त करने की आवश्यकता है। हम "अफगान-संचालित और अफगान-स्वामित्व" शांति और राष्ट्रीय सामंजस्य प्राप्त करने के प्रयासों में अफगानिस्तान के लोगों, चल रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों जिसमें अफगानिस्तान पर मास्को फार्मेट के परामर्श और "हार्ट ऑफ एशिया-इस्तांबूल प्रक्रिया" तथा शांति और स्थायित्व के लिए बहु-मॉडल संयोजनता परियोजनाएं भी शामिल हैं तथा अफगानिस्तान द्वारा राष्ट्रीय पुनर्गठन प्रयासों के प्रति अपने सहयोग की पुन: पुष्टि करते हैं जिनका उद्देश्य आतंकवाद और नशीले पदार्थों के विरुद्ध संघर्ष करना है। हम आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा और सुरक्षा बलों के प्रयासों का भी समर्थन करते हैं।

48. हम इस संबंध में, क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति तथा तालिबान, आईएसआईएल/डीएआईएसएच, अल-कायदा और इसके सहयोगी संगठनों, जिनमें ईस्टर्न तुर्किस्तान, इस्लामिक मूवमेंट, इस्लामिक मूवमेंट ऑफ उज्बेकिस्तान, हक्कानी नेटवर्क, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, टीटीपी और हिज्ब-उल-तहरीर भी शामिल हैं, द्वारा कारित हिंसा पर चिंता व्यक्त करते हैं।

49. हम ब्रिक्स देशों सहित समस्त विश्व में सभी आतंकवादी हमलों की निंदा करते हैं तथा आतंकवाद की उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में भर्त्सना करते हैं, चाहे वह कहीं भी और किसी भी के भी द्वारा कारित किया गया है तथा बल देते हैं कि किसी भी आतंकवादी कृत्य के लिए किसी भी प्रकार के कोई औचित्य नहीं दिया जा सकता है। हम पुन:पुष्टि करते हैं कि जो भी आतंकवादी कृत्यों को करने, संगठित करने अथवा उनका समर्थन करने के लिए उत्तरदायी हैं उन्हें इसके लिए अवश्य ही उत्तरदायी बताया जाना चाहिए। आतंकवाद का निवारण और उसका सामना करने में राष्ट्रों की प्राथमिक भूमिका और उत्तरदायित्व का स्मरण करते हुए हम अंतर्राष्ट्रीय विधि के सिद्धांतों, जिनमें राष्ट्रों की संप्रभुत्ता की समानता और उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न किया जाना भी शामिल है, के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हैं। हम अपनी एकता की पुन: पुष्टि करते हैं तथा आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष करने का संकल्प लेते हैं, बीजिंग में 18

मई, 2017 को आयोजित दूसरी ब्रिक्स आतंकवाद-रोधी कार्यकारी, समूह की बैठक को महत्व देते हैं तथा अपने सहयोग को सुदृढ़ करने पर सहमत हैं।

50. हम आतंकवाद का सामना करने में एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने के लिए सभी राष्ट्रों का आह्वान करते हैं, जिसमें विदेशी आतंकवादी लड़ाकुओं सहित आतंकवादियों की कट्टरवादिता, भर्ती, आवाजाही को रोकने, आतंकवादियों के वित्त-पोषण के स्रोतों को रोकने, जैसे धन-शोधन के माध्यम से संगठित अपराधों के जरिए, हथियारों की आपूर्ति, नशीले पदार्थों और अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने, आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट करने तथा नवीनतम सूचना और प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के दुरुपयोग के माध्यम से आतंकवादी संगठनों द्वारा सोशल मीडिया सहित इंटरनेट के दुरुपयोग को समाप्त करना भी शामिल है। हम आतंकवादियों की निरंतर बढ़ते हुए बयानों को निवारित करने और उन्हें रोकने तथा आतंकवादियों के वित्त-पोषण के सभी स्रोतों, तकनीकों और माध्यमों को समाप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हम यूएनएससी संकल्पों तथा विश्वव्यापी एफएटीएफ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन का आह्वान करते हैं। हम एफएटीएफ और एफएटीएफ शैली के क्षेत्रीय निकायों (एफएसआरबी) में अपने सहयोग को गहन बनाने की इच्छा रखते हैं। हम सभी राष्ट्रों की आतंकवादी नेटवर्कों के वित्त-पोषण तथा अपने भू-भागों से आतंकवादी कार्रवाइयों को रोकने की जिम्मेदारी का भी स्मरण करते हैं।

51. हम अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से वास्तविक रूप से बृहद अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी गठबंधन स्थापित करने का आह्वान करते हैं तथा इस संबंध में संयुक्त राष्ट्र की समन्वयक भूमिका का समर्थन करते हैं। हम बल देते हैं कि आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष अंतर्राष्ट्रीय विधि के अनुरूप संचालित किया जाना चाहिए जिसमें संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी और मानवीय विधि, मानवाधिकार तथा मौलिक स्वतंत्रता भी शामिल हो। हम प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के मध्य सहयोग और समन्वय के क्षेत्रों सहित सयुंक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी फ्रेमवर्क की प्रभावकारिता में वृद्धि करने, आतंकवादियों और आतंकवादी संगठनों को अभिहित करने तथा सदस्य राष्ट्रों को तकनीकी सहायता मुहैया कराने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन:पुष्टि करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और व्यापक कन्वेंशन (सीसीआईटी) को शीघ्र अंतिम रूप दिए जाने और उसका अंगीकरण किए जाने का आह्वान करते हैं।

52. हम संयुक्त राष्ट्र शांति बहाली अभियानों में ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण योगदान तथा अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति बहाली अभियानों के महत्व को मान्यता प्रदान करते हैं। हम शांति बहाल करने वाले मामलों के संप्रेषण में और भी वृद्धि करने की ब्रिक्स देशों की आवश्यकता पर बल प्रदान करते हैं।

53. हम नशीले पदार्थों की आपूर्ति और उसकी मांग में कमी लाने की रणनीतियों के तहत एक एकीकृत, व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र नशीले पदार्थों का नियंत्रण कन्वेंशन के आधार पर विश्वव्यापी नशीले पदार्थों की समस्या का समाधान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम विश्वव्याथपी नशीले पदाथों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 30वें विशेष सत्र के परिणाम दस्तावेज के महत्व पर बल देते हैं तथा नशीले पदार्थों विशेष रूप से स्वापकों के अवैध निर्माण और अवैध व्यापार द्वारा प्रस्तुत की गई वैश्विक चुनौती का सामना करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सहयोग ओर समन्वय को सुदृढ़ बनाने का आह्वान करते हैं। हम मादक पदार्थों के अवैध व्यापार, धन-शोधन और संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच विश्व के कुछ क्षेत्रों में बढ़ते हुए संबंधों पर गहरी चिंता के साथ नोट करते हैं।

54. हम समानता और पारस्परिक सम्मान के सिद्धांतों के अंतर्गत मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को संवर्धित और संरक्षित करने के लिए सहयोग करने की सभी देशों के लिए आवश्यकता को पुन: दोहराते हैं। हम सभी मानवाधिकारों जिसमें विकास का अधिकार भी शामिल है, को एक समान और बराबर तरीके से मानने, समान रूप से महत्व देने और उन पर समान रूप से बल प्रदान करना जारी रखने के लिए सहमत हैं। हम ब्रिक्स और बहुपक्षीय मंचों, जिसमें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद भी शामिल है, पर समान हितों के मुद्दों पर सहयोग को सुदृढ़ बनाएंगे जिसमें गैर-चयनात्मक, गैर-राजनीतिक और निर्माणात्मक तरीके से तथा बिना दोहरे मानक अपनाए मानवाधिकारों को प्रोत्साहित, संरक्षित और क्रियान्वित करने पर पूरी तरह ध्यान दिया जाएगा।

55. अंतर्राष्ट्रीय प्रवास के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों से पूरी तरह अवगत रहते हुए हम अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा तथा समाज के विकास के लिए प्रभावी प्रवास विनियम तैयार की बड़ी भूमिका पर बल प्रदान करते हैं।

56. हम यह विचार करते हैं कि शांतिपूर्ण, सुरक्षित, खुला, सहायक, स्थिर, व्यवस्थित, पहुंच योग्य और समान आईसीटी परिवेश सुनिश्चित करने केलिए आईसीटी के प्रयोग में उत्तरदायी राज्य व्यवहार के सार्वभौतिक रूप से स्वीकार्य मानदण्ड तैयार करने में संयुक्त राष्ट्र की केन्द्रीय भूमिका है। हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर में प्रतिपादित अंतर्राष्ट्रीय विधि विशेष रूप से राज्यों की संप्रभुत्ता, राजनीतिक स्वतंत्रता, प्रादेशिक एकता, राष्ट्रों की संप्रभु समानता अन्य राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना और मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के लिए सम्मान के सिद्धांतों के अत्यधिक महत्व पर बल प्रदान करते हैं। हम आईसीटी के आतंकवादी और

आपराधिक प्रयोग के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल देते हैं, इस संबंध में ईतेक्विनी, फोर्टालेजा, ऊफा और गोवा घोषणाओं में निहित सामान्य दृष्टिकोण की पुन: पुष्टि करते हैं और ऊफा घोषणा में वर्णित किए गए अनुसार संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में आईसीटी के आपराधिक प्रयोग से निपटने के लिए एक सार्वभौमिक विनियामक बाध्यकर तंत्र की आवश्यकता को मान्यता देते हैं। हम आईसीटी के प्रयोग में सुरक्षा पर ब्रिक्स राज्यों के विशेषज्ञ कार्यकारी समूह द्वारा हासिल की गई प्रगति को संतोष के साथ नोट करते हैं। हम ब्रिक्स *आईसीटी के प्रयोग में सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी व्यावहारिक सहयोग के लिए रोड मैप* अथवा किसी अन्य पारस्परिक रूप से सहमत तंत्र के अनुरूप सहयोग प्रोत्साहित करने का निर्णय लेते हैं तथा आईसीटी के प्रयोग में सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग पर ब्रिक्स अंतरसरकार करार के संबंध में रूसी परिसंघ की पहल को मान्यता प्रदान करते हैं।

57. हम विश्वास करते हैं कि सभी राज्यों को इंटरनेट के उद्भव और इसके कार्यकरण तथा इसके प्रशासन के लिए समान स्तर पर भागीदारी करनी चाहिए जिसके लिए प्रासंगिक हितधारकों को उनकी संबंधित भूमिकाओं और उत्तरदायित्वों में शामिल किए जाने की आवश्यकता को ध्यान में रखा जाना चहिए। जो संरचनाएं निर्णायक इंटरनेट संसाधनों को प्रबवधित और विनियमित करती है, उन्हें अधिक प्रतिनिधित्वकारी और अंतर्वेशी होने की आवश्यकता है। इस आईसटी सहयोग पर ब्रिक्स कार्यकारी समूह द्वारा हासिल की गई प्रगति को संतोष के साथ नोट करते हैं। हम इस संबंध में अपने सहयोग को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता को मान्यता देते हैं। इस दिशा में, ब्रिक्स आईसीटी के प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की समान भागीदारी के आधार पर आईसीटी के सुरक्षित, खुले, शांतिपूर्ण और सहयोगी प्रयोग के प्रति योगदान करने के लिए विद्यमान तंत्र के माध्यम से मिलकर कार्य करना जारी रखेगा।

58. हम यह दोहराते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय विधि के अनुरूप समानता के आधार पर सभी राज्यों द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से अन्वेषण और उपयोग के लिए बाह्य अंतरिक्ष खुला रहेगा। इस बात की पुन: पुष्टि करते हुए कि बाह्य अंतरिक्ष किसी भी प्रकार के हथियार अथवा बल के किसी भी प्रयोग से स्वतंत्र रहेगा, हम बल देते हैं कि बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय करार अथवा ऐसे अधिक करार संयुक्त राष्ट्र नि:शस्त्रीकरण कांफ्रेस के लिए प्राथमिकता वाला कार्य होगा तथा इस संबंध में पर्याप्त कार्य आरंभ करने के प्रयासों का समर्थन करते हैं जिसमें अन्य बातों से साथ-साथ, बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों को रखने के निवारण पर तथा बाह्य अंतरिक्ष की वस्तुओं के विरुद्ध धमकियों अथवा बल के प्रयोग पर

चीन और रूसी परिसंघ द्वारा प्रस्तुत की गई अद्यतन मसौदा संधि पर आधारित कार्य भी शामिल है। हम बाह्य अंतरिक्ष में हथियारों को सबसे पहले न रखने पर राजनीतिक बाध्यता के लिए अंतर्राष्ट्रीय पहल को भी नोट करते हैं।

59. बाह्य अंतरिक्ष क्रियाकलापों की दीर्घावधिक संधारणीयता तथा भावी पीढ़ियों के लिए बाह्य अंतरिक्ष को परिरक्षित करने के लिए तरीकों और युक्तियों की तलाश करने पर प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए। हम इसे संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष का शांतिपूर्ण प्रयोग संबंधी समिति (यूएनसीओपीयूओएस) के वर्तमान एजेंडा में एक महत्वपूर्ण उद्देश्य के रूप में नोट करते हैं। इस संबंध में, हम बाह्य अंतरिक्ष क्रियाकलापों की 2018 तक दीर्घकालिक संघारणीयता के लिए दिशा-निर्देशों के पूर्ण सेट पर बातचीत को समाप्त करने और उस पर सर्वसम्मति हासिल करने के लिए बाह्य अंतरिक्ष क्रियाकलापों की दीर्घकालिक संधारणीयता संबंधी यूएनसीओपीयूओएस के वैज्ञानिक और तकनीकी उप-समिति के कार्यकारी समूह द्वारा किए गए निर्णय तथा इसे प्रथम संयुक्त राष्ट्र बाह्य अंतरिक्ष अन्वेषण और शांतिपूर्ण प्रयोग कांफ्रेस (यूनीस्पेस + 50) की 50वीं वर्षगांठ के समारोह के साथ जोड़ने का स्वागत करते हैं।

लोगों का लोगों के साथ विचार-विनिमय

60. हम विकास को प्रोत्साहित करने तथा ब्रिक्स के लोगों के मध्य पारस्परिक समझ, मैत्री और सहयोग में वृद्धि करने के लिए लोगों का लोगों के साथ विचार-विनिमय के महत्व पर बल देते हैं। हम विभिन्न क्षेत्रों में जैसे संस्कृति, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी खेल और स्वास्थ्य तथा साथ ही मीडिया संगठनों और स्थानीय सरकारों के मध्य सहयोग को और गहन बनाने, ब्रिक्स सहयोग के तृतीय स्तंभ को सुदृढ़ बनाने तथा इसके लोगों के मध्य ब्रिक्स भागीदारी की एक अर्थपूर्ण अभिव्यक्ति संपोषित करने के लिए सहमत हैं।

61. हम ब्रिक्स सहयोग की मूल्यवान संपत्ति के रूप में सांस्कृतिक वैविध्य को महत्व देते हैं। हम संपोषणीय विकास को प्रोत्साहित करने में संस्कृति और सांस्कृतिक विविधता और भागीदारी की भूमिका पर बल देते हैं तथा विविधता और भागीदारी के आधार पर साझे मूल्यों को सृजित करने के लिए सांस्कृतिक विनियमों और पारस्परिक अधिगम में निरंतर कार्य करते रहने के लिए ब्रिक्स देशों को प्रोत्साहित करते हैं। हम व्यावहारिक सांस्कृति सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए ब्रिक्स कार्य-योजना तैयार करने तथा ब्रिक्स पुस्तकालय संधि, संग्रहालय संधि, कला संग्रहालय और राष्ट्रीय गैलरी संधि तथा साथ ही बालकों और युवाओं के लिए थिएटर संधि की स्थापना का स्वागत करते हैं। हम सितम्बर, 2017 के मध्य में शियामेन में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सांस्कृतिक समारोह की सफलता की कामना

करते हैं। हम ब्रिक्स देशों के मध्य सांस्कृतिक सहयोग में वृद्धि करने के लिए आवश्यक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए ब्रिक्स सांस्कृतिक परिषद की स्थापना पर अपने कार्य को जारी रखेंगे।

62. हम संपोषणीय आर्थिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करने तथा ब्रिक्स साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए शिक्षा के महत्व पर बल प्रदान करते हैं तथा हमारे शिक्षा सहयोग में सकारात्मक प्रगति की सराहना करते हैं। हम शिक्षा और अनुसंधान सहयोग संचालित करने में ब्रिक्स विश्वविद्यालय लीग और ब्रिक्स नेटवर्क विश्वविद्यालय के लिए हमारे सहयोग को दोहराते हैं, शैक्षणिक चिंतकों के मध्य सहयोग को प्रवर्तित करने तथा युवा ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन करके और ब्रिक्स छात्रों को अधिक छात्रवृत्तियों की पेशकश करके युवाओं के मध्य पारस्परिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के प्रयासों का स्वागत करते हैं। हम शिक्षा संबंधित संपोषणीय विकास लक्ष्यों की पूर्ति करने के लिए अनुभवों और प्रक्रियाओं को साझा करने हेतु सहमत हैं।

63. हम पारंपरिक खेलों को लोकप्रिय बनाकर और ब्रिक्स लोगों के मध्य मैत्री को वाहन बनाकर खेल सहयोग के महत्व में विश्वास करते हैं, गोवा में 2016 में ब्रिक्स अंडर-17 फुटबाल टूर्नामेंट की सफल मेजबानी को स्मरण करते हुए हम प्रथम ब्रिक्स खेलों की सफलता की सराहना करते हैं जो लोगों के लोगों के साथ परस्पर संपर्क के संबंध में इस वर्ष की विशेषता रहे हैं। हम हमारे पांच देशों के मध्य खेल सहयोग पर अधिक बल प्रदान करने के लिए खेल सहयोग पर समझौता-ज्ञापन हस्ताक्षरित करने के लिए प्रासंगिक विभागों को प्रोत्साहित करते हैं।

64. हम वैश्विक स्वास्थ्य शासन, विशेष रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के संदर्भ में ब्रिक्स की भूमिका को संवर्धित करने तथा अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने और किफायती, गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी और सुरक्षित औषधियों, टीकों, नैदानिक और अन्य उत्पादों और प्रौद्योगिकियों तथा साथ ही संवर्धित स्वास्थ्य प्रणालियों एवं स्वास्थ्य वित्त-पोषण के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं तक पहुंच उपलब्ध कराने के माध्यम से अभिनव चिकित्सा उत्पादों का विकास करने और उनकी उपलब्धता में सुधार लाने के लिए सहमत हैं। हम संक्रमणकारी रोगों जैसे इबोला, एचआईवी/एड्स, क्षयरोग और मलेरिया तथा साथ ही साथ गैर-संक्रमणीय रोगों के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए निगरानी क्षमता और चिकित्सा सेवाओं में सुधार को तथा स्वास्थ्य सेवा प्रावधान के स्तर में सुधार करने के लिए आईसीटी के अधिक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करते हैं। हम पारंपरिक औषधियों पर ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक तथा उच्च स्तरीय बैठक के परिणामों का स्वागत करते हैं तथा पारंपरिक औषधियों की पारस्परिक समझ को प्रोत्साहित

करने और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए पारंपरिक औषधि विनियमों और सहयोग के लिए एक दीर्घकालिक तंत्र की स्थापना की सराहना करते हैं। हम क्षयरोग अनुसंधान नेटवर्क की स्थापना के निर्णय का स्वागत करते हैं जिसे मास्को, रूसी परिसंघ में 16-17 नवम्बर, 2017 को 'संपोषणीय विकास युग में क्षय रोग की समापित : एक बहुक्षेत्रीय प्रतिक्रिया' विषय पर प्रथम डब्ल्यूएचओ वैश्विक मंत्रालयी सम्मेलन में प्रस्तुत किया जाएगा। इस बैठक तथा साथ ही 2018 में क्षयरोग पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र महासभा उच्च-स्तरीय बैठक के लिए अपना सहयोग अभिव्यक्त करते हैं। हम जी 20 सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर स्वास्यि मामलों पर सहयोग को बढ़ाने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करते हैं।

65. हम वर्ष 2015-2020 के लिए ब्रिक्स जनसंख्या मामलों पर सहयोग के एजेंडा के अनुरूप जनसंख्या संबंधी विषयों पर एक दीर्घकालिक और संतुलित जनसांख्यिकीय विकास और अनवरत सहयोग प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करते हैं।

66. हम विभिन्न क्षेत्रों जैसे शासन, फिल्म निर्माण, मीडिया, चिंतन, युवा, संसद, स्थानीय सरकारें और श्रमिक संघ में आदान-प्रदान और सहयोग में हुई प्रगति को संतोष के साथ नोट करते हैं तथा ऐसे विनियमय और सहयोग को आगे प्रोत्साहित करने के लिए सहमत हैं। इस ब्रिक्स देशों द्वारा प्रथम संयुक्त फिल्म निर्माण की सराहना करते हैं तथा ब्रिक्स फिल्म समारोह, मीडिया फोरम, मैत्री शहरों और स्थानीय सरकारों, सहयोग फोरम, युवा फोरम, युवा राजनयिक फोरम और युवा वैज्ञानिक फोरम की सफलता की प्रशंसा करते हैं। हम ब्रिक्स राजनीतिक दल फोरम चिंतकों और सिविल सोसाइटी संगठनों तथा साथ ही शासन पर संगोष्ठी की सफल मेजबानी की सराहना करते हैं तथा यह आशा करते हैं कि इन श्रेष्ठ पहलों को भविष्य में आगे बढ़ाया जाएगा। इस संबंध में, हम चीन द्वारा ब्रिक्स अनुसंधान और विनिमय निधि स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को नोट करते हैं।

67. हम ब्रिक्स सांस्थानिक विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना करते हैं तथा ब्रिक्स सहयोग को परिवर्तित होती स्थिति के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। हम ब्रिक्स सहयोग में शेरपाओं की समन्वय भूमिका में वृद्धि करने के लिए चीन द्वारा उसकी अध्यक्षता के दौरान किए गए उपायों के लिए उसकी सराहना करते हैं। हम शेरपाओं को निदेश देते हैं कि वे इस सांस्थानिक विकास से संबंधित अपनी चर्चा को जारी रखें।

68. हम बहुपक्षीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मामलों में संयुक्त राष्ट्र केन्द्रीय भूमिका के लिए अपने सुदृढ़ सहयोग की पुन: पुष्टि करते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य बहुपक्षीय

संस्थाओं के मध्य जिसमें न्यूयार्क, जिनेवा और वियना में हमारे स्थायी प्रतिनिधियों के मध्य नियमित बैठकों के माध्यम से किए गए प्रयास भी शामिल हैं, पारस्परिक और साझे हितों के क्षेत्रों में समन्वय और सहयोग को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा हम अंतर्राष्ट्रीय फोरमों में ब्रिक्स की आवाज में और वृद्धि करने के लिए भी कृतसंकल्प है।

69. डर्बन शिखर सम्मेलन के बाद से ब्रिक्स की व्यापक पहुंच की परंपरा को जारी रखते हुए हम संधारणीय विकास के लिए 2030 के एजेंडा के क्रियान्वयन पर तथा ब्रिक्स प्लस सहयोग के संवर्धन में "साझे विकास के लिए पारस्परिक लाभप्रद सहयोग को सुदृढ़ करना" के विषय के अंतर्गत विकास के लिए व्यापक सहभागिता का निर्माण करने के लिए 'उभरते बाजार और विकासशील देशों' की वार्ता का आयोजन करेंगे।

70. दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, रूस और भारत 2017 में चीन की अध्यक्षता की सराहना करते हैं तथा शियामेन में नौवें ब्रिक्स शिखर-सम्मेलन की मेजबानी के लिए चीन की सरकार और वहां के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

71. चीन, ब्राजील, रूस और भारत 2018 में दसवें ब्रिक्स शिखर-सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए दक्षिण अफ्रीका के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन देते हैं।

अनुबंध-I : ब्रिक्स सहयोग परिणाम दस्तावेज

निम्नलिखित परिणाम दस्तावेज अंगीकृत किए गए हैं।

हैम्बर्ग में ब्रिक्स नेताओं की अनौपचारिक बैठक की प्रेस प्रकाशनी।

राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग

1. *ब्रिक्स विदेश/अंतर्राष्ट्रीय संबंध मंत्रियों की बैठक की मीडिया टिप्पणी*
2. *आईसीटी के प्रयोग में सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ब्रिक्स व्यावहारिक/सहयोग रोडमैप*
3. *मध्य-पूर्व पर ब्रिक्स विशेष राजदूतों की बैठक पर संयुक्त प्रकाशनी*

आर्थिक सहयोग

1. *आर्थिक और व्यापार सहयोग पर ब्रिक्स कार्यवाही एजेंडा*
2. *ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की सातवीं बैठक का वक्तव्य*
3. *सेवा सहयोग में ब्रिक्स व्यापार रोडमैप*
4. *ब्रिक्स देशों के लिए आर्थिक और तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ बनाने संबंधी फ्रेमर्वक*
5. *ब्रिक्स ई-वाणिज्य सहयोग पहल*
6. *ब्रिक्स ई-वाणिज्य कार्यकारी समूह के विचारार्थ विषय*
7. *ब्रिक्स मॉडल ई-पोर्ट नेटवर्क के विचारार्थ विषय*
8. *ब्रिक्स आईपीआर सहयोग दिशा-निर्देश*
9. *ब्रिक्स निवेश सरलीकरण के लिए दिशा-निर्देश*
10. *2017 की ब्रिक्स वित्तीय मंत्रियों के वित्तीय प्रदेय उत्पादों के सहमत अवयव तथा केन्द्रीय बैंक गर्वनरों की बैठक*
11. *ब्रिक्स पीपीपी फ्रेमवर्क पर श्रेष्ठ प्रक्रियाएं*
12. *ब्रिक्स देशों के मध्य औद्योगिक सहयोग को गहन बनाने के लिए कार्य-योजना*
13. *तीसरी ब्रिक्स संचार मंत्रियों की बैठक की घोषणा*
14. *ब्रिक्स सीमा-शुल्क सहयोग का रणनीतिक फ्रेमवर्क*
15. *अभिनवता सहयोग के लिए ब्रिक्स कार्ययोजना (2017-2020)*
16. *पांचवीं ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता (एसटीआई) मंत्रालयी बैठक की हैंगझोऊ घोषणा*

17. ब्रिक्स 2015-2018 एसटीआई कार्य योजना के फ्रेमवर्क में कार्य योजना 2017-2018
18. ब्रिक्स कर प्राधिकरण प्रमुखों की बैठक की प्रकाशनी
19. ब्रिक्स कर मामलों के संबंध में सहयोग का ज्ञापन
20. दूसरी ब्रिक्स ऊर्जा मंत्री बैठक की घोषणा
21. ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की तीसरी बैठक का पर्यावरण संबंधी तियानजिन वक्तव्य
22. ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की सातवीं बैठक की संयुक्त घोषणा
23. ब्रिक्स देशों के कृषि सहयोग के लिए कार्य-योजना 2017-2020
24. ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों की घोषणा
25. कौशलों के माध्यम से गरीबी उपशमन और कटौती के लिए ब्रिक्स कार्य योजना
26. ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी के लिए कार्यनीति के क्रियान्वयन पर प्रगति रिपोर्ट
27. ब्रिक्स इंटरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत इंटरबैंक स्थानीय मुद्रा क्रेडिट लाइन करार
28. ब्रिक्स इंटरबैंक सहयोग तंत्र के अंतर्गत क्रेडिट रेटिंग से संबंधित सहयोग ज्ञापन
29. ब्रिक्स शहरी पर्यावरणीय संपोषणीय पहल भागीदारी
30. ब्रिक्स संयुक्त सांख्यिकीय प्रकाशन 2017
31. ब्रिक्स अनुसंधान अवसंरचना और वृहद् विज्ञान परियोजना कार्यकारी समूह के विचारार्थ विषय
32. ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभिनवता और उद्यमिता भागीदारी पर कार्यकारी समूह के विचारार्थ विषय
33. ब्रिक्स निर्यात क्रेडिट एजेंसियों तथा न्यू डेवलपमेंट बैंक के बीच सामान्य सहयोग पर समझौता-ज्ञापन
34. ब्रिक्स कार्य के भविष्य में शासन पर सामान्य स्थिति
35. ब्रिक्स श्रम अनुसंधान पहलकदम नेटवर्क-विचारार्थ विषय
36. ब्रिक्स सामाजिक सुरक्षा सहयोग फ्रेमवर्क
37. ब्रिक्स कृषि विकास रिपोर्ट 2017
38. ब्रिक्स व्यापार फोरम का संयुक्त वक्तव्य 2017

39. ब्रिक्स व्यापार परिषद तथा न्यू डेवलपमेंट बैंक के बीच रणनीतिक सहयोग पर समझौता ज्ञापन

40. मानकों पर विनियामक सहयोग पर ब्रिक्स व्यापार परिषद की संयुक्त घोषणा

लोगों का लोगों के साथ विनियम

1. संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग पर ब्रिक्स राष्ट्रों की सरकारों के बीच करार के क्रियान्वयन के लिए कार्य योजना
2. पुस्तकालय सहयोग की ब्रिक्स संधि के लिए आशय-पत्र
3. संग्रहालयों की ब्रिक्स संधि स्थापित करने के लिए आशय-पत्र
4. कला संग्रहालयों और राष्ट्रीय गैलरियों की ब्रिक्स संधि स्थापित करने के लिए आशय-पत्र
5. बालकों और युवाओं के लिए थिएटर की ब्रिक्स संधि के रणनीतिक सहयोग के लिए आशय-पत्र
6. पारंपरिक औषधि में सहयोग को सुदृढ़ बनाने पर ब्रिक्स देशों की संयुक्त घोषणा
7. ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैक की तियानजिन प्रकाशनी
8. ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की पांचवी बैठक द्वारा शिक्षा पर बीजिंग घोषणा
9. ब्रिक्स मीडिया सहयोग प्रोत्साहित करने की कार्य योजना
10. 2017 ब्रिक्स युवा मंच कार्य योजना
11. 2017 ब्रिक्स मैत्री शहर और स्थानीय सरकार सहयोग फोरम की चेंगुडू पहल
12. शासन पर ब्रिक्स संगोष्ठी की क्वानजोऊ सर्वसम्मति
13. ब्रिक्स राजनीतिक दलों, चिंतकों और सिविल समाज संगठन फोरम की फुजोऊ पहल
14. नौवें ब्रिक्स शिखर-सम्मेलन में 9वीं ब्रिक्स शैक्षणिक फोरम सिफारिशें
15. द्वितीय ब्रिक्स फिल्म समारोह के ब्रिक्स शिष्टमंडल की चेंगुडू सर्वसम्मति
16. वर्ष 2017 से 2018 के लिए ब्रिक्स फिल्म सहयोग
17. ब्रिक्स फिल्म छात्रों और प्रतिभाओं के लिए बीएफए कार्यक्रम
18. फिल्म पारपंरिक संस्कृति विरासत तथा युवा प्रतिभाओं के सृजनात्मक विकास पर संयुक्त घोषणा
19. ब्रिक्स व्यापार संघ फोरम घोषणा
20. ब्रिक्स व्यापार संघों द्वारा ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक के लिए वक्तव्य

निम्नलिखित दस्तावेजों पर चालू वर्ष के संबंध में जानकारी भी हासिल कर ली गई है

1. ब्रिक्स आईपीआर सहयोग पर कार्य योजना

2. ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट कांस्टेलेशन पर सहयोग के बारे में करार

3. ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय लेखाकरण मानक निर्धारितियों का संयुक्त वक्तव्य

4. ब्रिक्स लेखापरीक्षा विनियामक सहयोग पर संयुक्त घोषणा

लोगों का लोगों के साथ विनियम

1. ब्रिक्स राज्यों की क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना पर समझौता-ज्ञापन

2. ब्रिक्स खेल सहयोग पर समझौता-ज्ञापन

अनुबंध 2 : शियामेन कार्य-योजना

हम शियामेन शिखर-सम्मेलन से पूर्व चीन की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत आयोजित निम्नलिखित बैठकों और समारोहों का अवलोकन करते हैं।

मंत्रालयी बैठकें तथा प्रासंगिक समारोह

1. ब्रिक्स नेताओं की अनौपचारिक बैठक (7 जुलाई, 2017, हैम्बर्ग)
2. सुरक्षा मुद्दों के लिए ब्रिक्स उच्च प्रतिनिधियों की बैठक (27-28 जुलाई, 2017, बीजिंग)
3. विदेश/अंतर्राष्ट्रीय संबंधी मंत्रियों की बैठक (18-19 जून, 2017, बीजिंग)
4. ब्रिक्स शेरपा/सोयस-शेरपा बैठक (23-24 फरवरी, 2017, नानजिंग; 14-15 जून, 2017, क्वींगदाओ; 4-5 जुलाई, 2017, हैम्बर्ग; सितम्बर, 2017, शियामेन)
5. ब्रिक्स वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक/वित्त और केन्द्रीय बैंक डिप्टियों की बैठक (17 मार्च, 2017, बादेन-बादेन; 20 अप्रैल, 2017 वाशिंगटन डीसी; 19 जून, 2017, शंघाई)
6. ब्रिक्स स्थानीय मुद्रा बांड निधि कार्यकारी समूह (20 अप्रैल, वाशिगंटन डीसी; 18 जून, 2017, शंघाई)
7. ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रालयी बैठक (7 जून, 2017, बीजिंग)
8. ब्रिक्स कृषि और कृषक विकास मंत्रियों की बैठक (16-17 जून, 2017, नानजिन)
9. ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों की बैठक (2-3 जुलाई, 2017, तियानजिन)
10. अंतरिक्ष सहयोग पर ब्रिक्स सयुंक्त समिति की बैठक (2-3 जुलाई, 2017, हैकोयु)
11. ब्रिक्स शिक्षा मंत्रियों की बैठक (4-5 जुलाई, 2017, बीजिंग)
12. ब्रिक्स सीमा-शुल्क सहयोग समिति की बैठक (5 जुलाई, 2017, ब्रुसेल्स)
13. ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक (5-6 जुलाई, 2017, तियानजिन)
14. ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रियों की बैठक तथा पारंपरिक औषधियों पर उच्च-स्तरीय बैठक (6-7 जुलाई, 2017, तियानजिन)
15. ब्रिक्स औषधि विनियामक सहयोग बैठक (13-14 जुलाई, 2017, जेंगजोड)
16. ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता मंत्रालयी बैठक (18 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)
17. ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक (26-27 जुलाई, 2017, योंगक्विंग)

18. ब्रिक्स संचार मंत्रियों की बैठक (27-28 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)

19. ब्रिक्स कर प्राधिकरणों के प्रमुखों की बैठक (27-28 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)

20. ब्रिक्स उद्योग मंत्रियों की बैठक (29-30 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)

21. ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक (1-2 अगस्त, 2017, शंघाई)

22. न्यू डेवलपमेंट बैंक के बोर्ड ऑफ गवरनर्स की वार्षिक बैठक (1-2 अप्रैल, 2017, नई दिल्ली)

23. ब्रिक्स व्यापार फोरम (3-4 सितम्बर, 2017, शियामेन)

वरिष्ठ अधिकारियों/कार्यकारी ग्रुपों/विशेषज्ञों की बैठकें

1. पर्यावरण पर ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (22 जून, 2017, तियानजिन)
2. शिक्षा पर ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (4 जुलाई, 2017, बीजिंग)
3. संस्कृति पर ब्रिक्स वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (जुलाई, 2017, तियानजिन)
4. ब्रिक्स स्वास्थ्य क्षेत्र के अधिकारियों की बैठक (5 जुलाई, 2017, तियानजिन)
5. ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता पर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (17 जुलाई, 2017 हांगजोऊ)
6. ब्रिक्स व्यापार परिषद (31 मार्च, 2017, नई दिल्ली; 31 अगस्त - 2 सितम्बर, 2017, शंघाई एवं शियामेन)
7. ब्रिक्स भ्रष्टाचार-रोधी कार्यकारी समूह की बैठक (22 जनवरी, 2017, बर्लिन; 9 अप्रैल, 2017 ब्राजीलिया)
8. ब्रिक्स बौद्धिक संपदा परीक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठी (20-24 फरवरी, 2017, नागपुर)
9. ब्रिक्स बौद्धिक संपदा समन्वय समूह की बैठक (22-23 फरवरी, 2017, नागपुर)
10. ब्रिक्स आर्थिक और व्यापार मुद्दों पर संपर्क समूह की बैठकें (20-21 मार्च, 2017, बीजिंग, 23-25 मई, 2017, बीजिंग, 30-31 जुलाई, 2017, शंघाई)
11. ब्रिक्स राष्ट्रीय सांख्यिकीय अधिकारियों की तकनीकी बैठक (27-29 मार्च, 2017, शंघाई)
12. ब्रिक्स सीमा-शुल्क कार्यकारी समूह बैठक (29-31 माच्र, 2017, शियामेन)
13. ब्रिक्स मध्य-पूर्व विशेष राजदूतों का परामर्श (11-12 अप्रैल, 2017, विशाखापत्तनम)
14. ब्रिक्स रोजगार कार्यकारी समूह बैठक (19 अप्रैल, 2017, युक्सी, 25 जुलाई, चोंगक्विंग)

15. ब्रिक्स पर्यावरणीय कार्यकारी समूह की बैठक (25-27 अप्रैल, 2017, तियानजिन)

16. ब्रिक्स आतंकवाद-रोधी कार्यकारी समूह की बैठक (18 मई, 2017, बीजिंग)

17. ब्रिक्स बौद्धिक संपदा अधिकार तंत्र की प्रथम बैठक (23 मई, 2017, बीजिंग)

18. ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक के लिए कार्यकारी समूह (25 मई, 2017, बीजिंग)

19. ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनवता वित्त-पोषण कार्यकारी समूह की बेठक (28-31 मई, 2017,प्रीटोरिया)

20. आईसीटी के प्रयोग में सुरक्षा पर ब्रिक्स कार्यकारी समूह की बैठक (1-2 जून, 2017, बीजिंग)

21. ब्रिक्स ऊर्जा बचत और ऊर्जा कार्यकुशलता में सुधार पर कार्यकारी समूह की बैठक (5 जून, 2017, बीजिंग)

22. ब्रिक्स निर्यात क्रेडिट एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक (12-15 जून, हैंगजोऊ)

23. ब्रिक्स कृषि सहयोग पर कार्यकारी समूह की बैठक (15 जून, 2017, नानजिंग)

24. ब्रिक्स इंटरबैंक सहयोग तंत्र के तकनीकी समूह की बैठक (28-29 जून, 2017, बीजिंग)

25. इ्टरबैंक सहयोग तंत्र पर कार्यकारी समूह की बैठक (28-29 जून, 2017, बीजिंग)

26. एमएमएल पर ब्रिक्स शिष्टमंडल प्रमुखों की बैठक (18-23 जून, 2017, स्पेन)

27. ब्रिक्स विदेश नीति आयोजना वार्ता (20-21 जुलाई, 2017, बीजिंग)

28. शांति-बहाली मामलों पर ब्रिक्स विशेषज्ञ परामर्श (25 जुलाई, 2017, बीजिंग)

29. कर मामलों पर ब्रिक्स विशेषज्ञों की बैठक (25-26 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)

30. आईसीटी सहयोग पर ब्रिक्स कार्यकारी समूह की बैठक (26 जुलाई, 2017, हैंगजाऊ)

31. ब्रिक्स नशीले पदार्थ-रोधी कार्यकारी समूह की बैठक (16 अगस्त, 2017, वेहेई)

32. इंटरबैंक सहयोग तंत्र तथा वित्तीय फोरम की वार्षिक बैठक (31 अगस्त - 2 सितम्बर, 2017, बीजिंग)

33. ब्रिक्स बौद्धिक संपदा कार्यालयों के प्रमुखों की बैठक (6-7 अप्रैल, 2017, नई दिल्ली)

34. ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभिनवता और उद्यमिता भागीदारी पर कार्यकारी समूह (9 अप्रैल, बेंगलुरु)

35. ब्रिक्स आईसीटी और उच्च प्रदर्शन कम्प्यूटिंग पर कार्यकारी समूह (23-26 अप्रैल, गुआनजोऊ)

36. ब्रिक्स अनुसंधान अवसंरचना और वृहद्-विज्ञान परियोजनाओं पर कार्यकारी समूह (15-16 मई, दुबना)

37. ब्रिक्स सॉलिड स्टेट लाइटनिंग पर कार्यकारी समूह (19-24 जून, 2017, हैंगजोऊ)

लोगों का लोगों के साथ आदान-प्रदान समारोह और अन्य बैठकें

1. ब्रिक्स युवा राजनयिक फोरम (30 मई-3 जून, 2017 बीजिंग एवं लिन्यी)
2. ब्रिक्स मीडिया फोरम (6-8 जून, 2017, बीजिंग)
3. ब्रिक्स चिंतक परिषद बैठक (10 जून, 2017, फुजोऊ)
4. ब्रिक्स राजनीतिक दल, चिंतक और सिविल समाज संगठन फोरम (10-12 जून, 2017, फुजोऊ)
5. ब्रिक्स खेल (17-21 जून, 2017, गुआनजोऊ)
6. ब्रिक्स फिल्म समारोह (23-27 जून, 2017, चचेंग्डू)
7. ब्रिक्स मैत्री शहर और स्थानीय सरकार सहयोग फोरम (11-13 जुलाई, 2017 चेंग्डू)
8. ब्रिक्स श्रमिक संघ फोरम (24-25 जुलाई, 2017, बीजिंग)
9. ब्रिक्स युवा फोरम (24-28 जुलाई, 2017, बीजिंग)
10. ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक फोरम (11-15 जुलाई, 2017, हैंगजोऊ)
11. ब्रिक्स शासन पर संगोष्ठी (17-18 अगस्त, 2017, क्वानजोऊ)
12. ब्रिक्स अभियोजन सेवा प्रमुखों की बैठक (अगस्त, 2017, ब्राजील)
13. ब्रिक्स चिंतक विचार-गोष्ठी (22 मार्च, 2017, बीजिंग, 15 मई, 2017 गुआनजोऊ, 26 मई, 2017, चोंगक्विंग)
14. ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय थिएटर विद्यालय समारोह (14-21 मई, 2017, मास्को)
15. प्रतिस्पर्धा विधि के क्षेत्र में ब्रिक्स सहयोग बैठक (16-20 मई, 2017, सेंट पीटर्सबर्ग)
16. वार्षिक फोरम "ब्रिक्स : आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करना" (1-3 जून, 2017, सेंट पीटर्सबर्ग)
17. ब्रिक्स प्रधान लेखापरीक्षा संस्थाओं की तकनीकी सहयोग बैठक (28-29 जून, 2017, प्रीटोरिया)
18. एससीओ और ब्रिक्स देशों की महिलाओं की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (2-4 जुलाई, 2017, नोवोसिबिर्क्स)

हम चीन की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत आने वाली अन्य बैठकों और कार्यक्रमों को भी नोट करते हैं:

1. यूएनजीए के दौरान विदेश मंत्रियों की बैठक
2. पांचवी ब्रिक्स शेरपा/सोयस-शेरपा बैठक
3. ब्रिक्स संसदीय फोरम
4. ब्रिक्स राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालयों के प्रमुखों की बैठक
5. ब्रिक्स व्यापार मेला
6. ब्रिक्स विधि सलाहकार परामर्श
7. एसओई सुधार और शासन पर ब्रिक्स फोरम
8. प्रतिस्पर्धा विधि के क्षेत्र में ब्रिक्स सहयोग की बैठक
9. एससीओ और ब्रिक्स क्षेत्रों के लघु व्यवसायों पर तीसरा फोरम
10. ब्रिक्स अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा सम्मेलन
11. ब्रिक्स खगोल-शास्त्र पर कार्यकारी समूह (21-22 सितम्बर, पुणे)
12. ब्रिक्स विशेषज्ञा क्रेडिट एजेंसियों की तकनीकी कार्यशाला (31 अक्तूबर - 3 नवम्बर, नानजिंग)
13. ब्रिक्स पदार्थ विज्ञान और नैनोप्रौद्योगिकी पर कार्यकारी समूह (अक्तूबर, 2017, येक्ट्रिन बर्ग)
14. वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण सम्मेलन "भावी दृष्टिकोण और एसटीआई नीति" (1-2 नवम्बर, मास्को)
15. ब्रिक्स जैव-प्रौद्योगिकी और जैव-औषधि, जिसमें मानव स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान भी शामिल है, पर कार्यकारी समूह (15-16 नवम्बर, 2017, मास्को)
16. ब्रिक्स वृद्धदावस्था पर बैठक

प्रस्ताव जिनके संबंध में अन्वेषण किया जाना है

1. महासागर सहयोग
2. पीपीपी परियोजना तैयार निधि की स्थाना
3. ब्रिक्स ऊर्जा सहयोग प्लेटफार्म की स्थापना
4. ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग सेटेलाइट कांस्टेलेशन

5. शियामेन में ब्रिक्स सीमा-शुल्क प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना

6. ब्रिक्स सांस्कृतिक परिषद की स्थापना

7. ब्रिक्स क्षेत्रीय परिषद की स्थापना

8. पर्यटन सहयोग

9. क्षेत्रीय विमानन पर कार्यकारी समूह का सृजन